श्रीगुरुगीता पाठ की ५१वीं वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में सिद्धयोग सत्संग

६ जनवरी, २०२३

आत्मीय पाठक,

नमस्ते।

सिद्धयोग पथ पर गुरुमाई चिद्विलासानन्द ने जो परम्परा स्थापित की है, उसके अनुसार हमें नववर्ष २०२३ के दिन इस वर्ष के लिए सन्देश प्राप्त हुआ जो हमें श्रीगुरुमाई ने प्रदान किया।

श्रीगुरुमाई के सन्देश का प्रत्येक शब्द अत्यन्त अनमोल है। कई लोगों ने मुझे अपना अनुभव बताया है कि वर्ष २०२३ के लिए श्रीगुरुमाई के सन्देश में सिद्धयोग की सभी सिखावनियाँ समाहित हैं अर्थात् यह उन सिखावनियों के सार का निचोड़ है। जब उन्होंने पहली बार श्रीगुरुमाई को यह सन्देश प्रदान करते हुए सुना तो उन्हें महसूस हुआ कि इससे उनका हृदय-मन्दिर जगमगा उठा है। और जैसे-जैसे वे मधुर सरप्राइज़ में भाग लेते जा रहे हैं और श्रीगुरुमाई के सन्देश पर ध्यान कर रहे हैं, वे सन्देश के शब्दों में निहित अर्थ की गहराइयों को खोज रहे हैं।

कल, ७ जनवरी, शनिवार को एक और अवसर है जिसका सिद्धयोग पथ पर विशेष महत्त्व है। कल उस दिन की ५१वीं वर्षगाँठ है जब बाबा मुक्तानन्द ने गुरुदेव सिद्धपीठ में श्रीगुरुगीता के पाठ को आश्रम के दैनिक कार्यक्रम के एक भाग के रूप में प्रतिष्ठापित किया था। वर्ष १९७२ में इस दिन सिद्धयोगियों को अपने श्रीगुरु से महाप्रसाद प्राप्त हुआ था—ऐसा स्तोत्र जो श्रीगुरु के और गुरु-तत्त्व के विषय में गूढ़ प्रज्ञान प्रदान करता है और जो शिष्यों को यह मार्गदर्शन देता है कि श्रीगुरु द्वारा दिखाए गए मार्ग पर किस तरह चलें। एक साधक के लिए गुरु-शिष्य सम्बन्ध के विषय में जो कुछ भी जानने की आवश्यकता है, वह सब कुछ इस पावन स्तोत्र में निहित है।

आपको याद होगा कि पिछले वर्ष के समापन पर मैंने एक पत्र लिखा था जिसमें मैंने अपने सुझाव के प्रति आपके उदार प्रत्युत्तर के लिए आभार प्रकट किया था। इस पत्र में मैंने यह सुझाव दिया था कि आप श्रीगुरुमाई के सीज़न्स् ग्रीटिंग्स् के विषय पर अपनी कविताओं की रचना करें और मैंने यह कहा था कि आप एक कवि के रूप में नए साल में क़दम रखेंगे। और जैसा कि आपमें से अनेक लोगों को यह

ज्ञात है कि संस्कृत भाषा में 'श्रीगुरुगीता' का अर्थ है 'श्रीगुरु का गीत'। समस्त दैवी कवियों में श्रेष्ठतम, भगवान शिव, अपनी प्रिया भगवती पार्वती के सम्मुख श्रीगुरुगीता रूपी इस स्तुति को प्रकट करते हैं।

यद्यपि यह पत्र आपको सत्संग के कुछ ही समय पूर्व मिल रहा है, मैं जानती हूँ कि आप में से अनेक लोगों ने यह मंगलमय दिन श्रीगुरुगीता का पाठ करने के लिए पहले से ही समर्पित किया होगा। और पिछले वर्षों में प्रायः यह पाठ—इस पावन स्तोत्र की वर्षगाँठ के सम्मान में यह सत्संग—सीधे वीडिओ प्रसारण द्वारा सिद्धयोग वैश्विक हॉल में आयोजित किया जा चुका है। मैं आपको बताना चाहती हूँ कि कल भी यही होने जा रहा है।

श्रीगुरुगीता पाठ का यह सत्संग न्यूयॉर्क समयानुसार प्रातः १०:३० बजे सिद्धयोग पथ की वेबसाइट पर आरम्भ होगा। यदि आप समय के अन्तर के कारण या फिर किसी अन्य कारण से इस समय सत्संग में भाग न ले पाएँ तो यह सत्संग बाद में भी कुछ दिनों के लिए वेबसाइट पर उपलब्ध होगा ताकि आप अपनी सुविधानुसार इसमें भाग ले सकें।

आइए, सिद्धयोग वैश्विक हॉल में मिलते हैं।

आदर सहित,

ईशा सरदेसाई

© २०२३ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।